नवभारत

उत्कृष्ट शिक्षकों ने बदला जीवन

वर्ष 1970 में मॉडर्न कॉलेज की शुरुआत हुई. इससे पहले सोसाइटी की एक स्कूल थी वहीं से मेरे शैक्षिक जीवन की शुरुआत हुई. अकरावी तक की शिक्षा मैंने वहां अर्जित की. उस समय ताटके सर मुख्याध्यापक थे. वे सोसाइटी के सेक्रेटरी भी थे. इस कॉलेज को शुरू करने में ताटके सर का अहम रोल रहा. इसके बाद लियम सर, गोसावी सर जैसे शिक्षक हमें प्राप्त हुए. मैं स्कूली जीवन में एक मेधावी छात्र था. लेकिन कॉलेज में जाने के बाद और अधिक विकसित हो गया. बारहवी में मुझे और मेरे जैसे मेधावी छात्रों पर शिक्षकों ने विशेष ध्यान दिया. हमारा एक अलग गुट बनाकर हमें ज्यादा किताबें और कोचिंग मुहैया करवाई गई. इस काम में गोसावी सर, लिमये सर और चिरपुटकर सर ने काफी मार्गदर्शन दिया. बेहतरीन शिक्षकों के मार्गदर्शन से हम और तेजी से आगे बढ़े. आगे बीकॉम की पढ़ाई के बाद मुझे इंडियन इन्स्टिट्यूट अहमदाबाद में प्रवेश प्राप्त हुआ. आईआईटी में प्रवेश की सारी तैयारी स्नातक की पढ़ाई के दौरान ही पूरी हो चुकी थी. इसके लिए लगने वाली आत्मविश्वास भी मॉडर्न में ही मिला था. अब तक आईआईटी अहमदाबाद में चयनीत मैं कॉलेज का इकलौता छात्र हूं, जिसका मुझे काफी अभिमान है. आगे चलकर मैंने कॉलेज में पूर्व छात्र के तौर पर स्पर्धा परीक्षा के उपक्रम चलाए. कुछ वर्ष तक इंजीनियरिंग में अतिथि शिक्षक के तौर पर अध्यापन भी किया. हम पर उस सम शिक्षकों द्वारा किए गए बेहतरीन प्रयासों की इस विरासत को हम आगे ले जाने का प्रयास कर रहे है. जब भी कॉलेज में कोई कार्यक्रम होता है तो मैं फौरन ही वहां उपस्थित होता हूं. आज जो कोई छात्र उच्च शिक्षा अर्जित करना चाहता है उसके पैर 'मॉडर्न' की ओर बढ़ते है. इस समय आधुनिक संसाधनों का इस्तेमाल करते हुए शिक्षा दिलानी जरुरी है. यह काम मॉडर्न में बेहतरीन तरीके से जारी रहेगा, ऐसी अपेक्षा करता हूं.

– **श्याम वाघ**, पूर्व छात्र बीकॉम, मॉडर्न कॉलेज, पुणे.

Pune Edition
19-january-2021 Page No. 8
epaper.enavabharat.com